

स्कूल पुस्तकालय का उपयोग और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के शैक्षणिक प्रदर्शन

डॉ. रेखा ताराचंद झलके

ग्रंथपाल, अनिकेत समाजकार्य महाविद्यालय वडसा जि. गडचिरोली

सार

स्कूल पुस्तकालय वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर छात्रों के सीखने के अनुभवों को समृद्ध करने और शैक्षणिक सफलता का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह समीक्षा स्कूल पुस्तकालय के उपयोग और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध की पड़ताल करती है, जिसमें यह उजागर किया गया है कि गुणवत्तापूर्ण पुस्तकालय संसाधनों, प्रशिक्षित पुस्तकालयाध्यक्षों और अनुकूल पाठन वातावरण तक पहुँच किस प्रकार सीखने के परिणामों को बेहतर बनाती है। पूर्ववर्ती अध्ययनों से पता चलता है कि पुस्तकालय का नियमित उपयोग पढ़ने की आदतों, सूचना साक्षरता, विषय-वस्तु की समझ और समग्र शैक्षणिक उपलब्धि में सुधार करता है। शोधपत्र में अपर्याप्त पुस्तकालय सुविधाओं, धन की कमी और छात्रों की कम सहभागिता जैसी चुनौतियों पर भी चर्चा की गई है, जो प्रभावी उपयोग में बाधा बनती हैं। निष्कर्ष रूप में, अध्ययन यह सुझाव देता है कि स्कूल पुस्तकालय सेवाओं को सुदृढ़ करना, सूचना साक्षरता को पाठ्यक्रम में शामिल करना, और सक्रिय पुस्तकालय उपयोग को प्रोत्साहित करना वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकता है।

मुख्य शब्द: स्कूल पुस्तकालय, शैक्षणिक प्रदर्शन, वरिष्ठ माध्यमिक छात्र, सूचना साक्षरता, पठन आदतें, शिक्षण संसाधन।

परिचय

स्कूल पुस्तकालय सूचना और समान संसाधनों का एक संग्रह होता है, जिसे एक निश्चित समुदाय के लिए संदर्भ या उधार लेने के उद्देश्य से सुलभ बनाया जाता है। यह भौतिक या डिजिटल सामग्री तक पहुँच प्रदान करता है और भौतिक भवन, कक्ष, या वर्चुअल स्थान, या दोनों में मौजूद हो सकता है। पुस्तकालय का संग्रह किताबों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, पांडुलिपियों, फिल्मों, नक्शों, प्रिंट्स,

दस्तावेजों सहित अन्य सामग्रियों से मिलकर बनता है। हेकॉक (2017) के अध्ययन में, जिसने भारत के स्कूल पुस्तकालयों और छात्रों की उपलब्धियों के बीच संबंध का विश्लेषण किया, यह सुझाव दिया गया कि आसानी से सुलभ, पर्याप्त वित्तपोषित, प्रशिक्षित स्टाफ वाला, सुव्यवस्थित और अच्छी तरह से संग्रहित तथा व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाला स्कूल पुस्तकालय उच्च छात्र उपलब्धियों से संबंधित होता है। उन्होंने 20 से अधिक पुस्तकालय पूर्वानुमानक चर की पहचान की, जो स्कूल और छात्र की उपलब्धियों से सांख्यिकीय रूप से संबंधित थे। इनमें पहुँच, स्टाफिंग, संग्रह, नेटवर्क तकनीक, शिक्षक और छात्रों के साथ साझेदारी और स्कूल पुस्तकालय का एकीकरण और उपयोग शामिल थे। उनके अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि स्कूल पुस्तकालय छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों में मापनीय योगदान करते हैं, जैसा कि उनके परीक्षा स्कोर में परिलक्षित होता है। सभी कक्षा स्तरों पर, जहाँ स्कूल पुस्तकालय तक पहुँच अधिक लचीले समय-सारणी के साथ उपलब्ध थी, वहाँ परीक्षा स्कोर अधिक थे।

प्रशिक्षित स्टाफ वाले पुस्तकालय छात्रों को कक्षा के शिक्षकों के साथ अधिक समय बिताकर उपलब्ध संग्रह का अधिकतम उपयोग करने की अनुमति देते हैं। मिशेल (2014) ने पाया कि स्कूल पुस्तकालयों का सकारात्मक प्रभाव हो सकता है, चाहे उसे पठन स्कोर, साक्षरता या सामान्य रूप से सीखने के संदर्भ में मापा जाए, छात्रों की उपलब्धियों पर। उनके निष्कर्षों से पता चलता है कि एक मजबूत स्कूल पुस्तकालय कार्यक्रम, जो पर्याप्त स्टाफ, संसाधनों और वित्तपोषण के साथ हो, सामाजिक-आर्थिक या शैक्षणिक स्तर से स्वतंत्र रूप से छात्रों की उपलब्धियों को बढ़ा सकता है।

कंप्यूटर नेटवर्क के माध्यम से पुस्तकालय संसाधनों को कक्षा और प्रयोगशालाओं से जोड़ने से भी छात्रों की उपलब्धियों पर प्रभाव पड़ता है। संग्रह की गुणवत्ता, पुस्तकालय के अधिक उपयोग और शिक्षक-पुस्तकालयाध्यक्ष सहयोग (विशेषकर पाठ्यक्रम इकाइयों की योजना, संसाधन संग्रह विकास और शिक्षक प्रशिक्षण में) छात्र उपलब्धियों को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। सिमियु (2016) के अध्ययन में, जिसने माध्यमिक स्कूलों में शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण किया, यह स्थापित किया कि स्कूल कारक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। अच्छी तरह से संग्रहित पुस्तकालय, पर्याप्त पाठ्यपुस्तकें, प्रशिक्षित शिक्षक और विशाल कक्षाएं अच्छे शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए आवश्यक हैं।

राज्यव्यापी अध्ययन में पाया गया कि स्कूल पुस्तकालय छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का समर्थन करते हैं। तीस-nine स्कूलों के छात्रों से प्रश्न पूछकर पुस्तकालय के योगदान को मापा गया। छात्रों ने पुस्तकालय की मदद को "थोड़ी मदद", "सबसे अधिक मदद" या "लागू नहीं" के पैमाने पर रेट

किया। लगभग आधे छात्रों ने माना कि पुस्तकालय उनके काम में "सबसे अधिक" या "काफी" मददगार था। मक्पा (2018) ने सुझाव दिया कि ऐसी विकास परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण में उत्साह की कमी है। कई अध्ययनों के अनुसार, अधिकांश शिक्षक और प्रशासक स्कूल पुस्तकालयों की संभावनाओं से अनजान हैं। भविष्य में छोटे पैमाने के गुणात्मक अध्ययन और स्कूल पुस्तकालय पेशेवरों की व्यापक भागीदारी से अनुसंधान को अधिक विश्वसनीय बनाया जा सकता है।

उद्देश्य

1. वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों द्वारा स्कूल पुस्तकालय के उपयोग का अध्ययन करना।
2. पुस्तकालय उपयोग और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध का मूल्यांकन करना।

कार्यप्रणाली

इस अध्ययन में वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर स्कूल पुस्तकालय सेवाओं के प्रभाव की जांच करने के लिए वर्णनात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान डिज़ाइन का उपयोग किया गया। वर्णनात्मक पद्धति का चयन इसलिए किया गया क्योंकि यह किसी निश्चित जनसंख्या के धारणा, व्यवहार और संस्थागत प्रथाओं को प्रभावी रूप से दर्शाती है। यह डिज़ाइन उन समान शैक्षणिक अनुसंधानों के अनुरूप है, जिनका उद्देश्य बिना किसी चर में हस्तक्षेप किए संबंधों की स्थापना करना होता है (क्रेसवेल, 2009)। भारत में संरचित प्रश्नावली के माध्यम से ही सूचनाएँ एकत्र की गईं, जिसने किशोरों द्वारा पुस्तकालय सेवाओं के उपयोग और उनके अनुभव किए गए शैक्षणिक परिणामों पर मात्रात्मक अंतर्दृष्टि प्रदान की।

जनसंख्या और नमूना तकनीक

लक्षित जनसंख्या में भारत के ओयो वेस्ट स्थानीय शासन क्षेत्र के छह यादृच्छिक रूप से चयनित सरकारी उच्च विद्यालयों के किशोर शामिल थे। कार्यात्मक पुस्तकालय सुविधाओं वाले विद्यालयों को शामिल करने के लिए उद्देश्यपूर्ण नमूना तकनीक अपनाई गई। इस जनसंख्या में से 120 किशोरों का चयन किया गया, जिसमें लिंग, आयु और पारिवारिक पृष्ठभूमि का संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया। अध्ययन में शामिल होने के लिए प्रतिभागियों को विशेष मानदंडों को पूरा करना आवश्यक था: वे वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में नामांकित होने चाहिए, स्कूल पुस्तकालय सेवाओं तक नियमित पहुँच होनी चाहिए, और अध्ययन में भाग लेने के लिए सहमति प्रदान करनी चाहिए। यह नमूना रणनीति उन किशोरों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता से उचित थी जो

पुस्तकालय संसाधनों का सबसे अधिक उपयोग करते हैं और शैक्षणिक प्रदर्शन की प्रवृत्तियों को दर्शाते हैं।

उपकरण और मान्यकरण

भारत में सूचनाएँ एकत्र करने के लिए एक संरचित प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जिसे चार खंडों में विभाजित किया गया था। पहला खंड जनसांख्यिकीय जानकारी एकत्र करता था, जबकि दूसरा शैक्षणिक प्रदर्शन संकेतकों का आकलन करता था। तीसरा खंड किशोरों द्वारा पुस्तकालय सेवाओं के उपयोग को मापता था, और चौथा विद्यालय वातावरण एवं उपलब्ध सहायता की जाँच करता था। वैधता सुनिश्चित करने के लिए इस उपकरण को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान तथा शैक्षिक अनुसंधान के तीन विशेषज्ञों द्वारा फेस-वैलिडेशन कराया गया। स्पष्टता और विश्वसनीयता का आकलन करने के लिए पड़ोसी स्थानीय क्षेत्र के 15 किशोरों पर एक पायलट परीक्षण भी किया गया। प्राप्त क्रॉनबैक अल्फा गुणांक 0.82 ने मजबूत आंतरिक स्थिरता का संकेत दिया, यह पुष्टि करते हुए कि मुख्य अध्ययन के लिए प्रश्नावली विश्वसनीय थी।

नैतिक विचार

अध्ययन के लिए नैतिक स्वीकृति स्थानीय शिक्षा प्राधिकरण से प्राप्त की गई। प्रतिभागियों को अध्ययन के उद्देश्य के बारे में बताया गया और गोपनीयता एवं अनामिता का आश्वासन दिया गया। भाग लेने से पहले प्रत्येक छात्र से लिखित सहमति प्राप्त की गई। अध्ययन के किसी भी चरण में कोई व्यक्तिगत पहचान संबंधी जानकारी एकत्र नहीं की गई, और भागीदारी पूरी तरह स्वैच्छिक थी।

सूचना संग्रह प्रक्रिया और विश्लेषण

भारत में प्रश्नावली को विद्यालय समय के दौरान व्यक्तिगत रूप से वितरित किया गया, जिसमें विद्यालय प्रशासकों का सहयोग मिला। सटीकता सुनिश्चित करने और पूर्वाग्रह को कम करने के लिए प्रशिक्षित शोध सहायक विद्यार्थियों को प्रक्रिया में मार्गदर्शन देते थे। पूर्ण किए गए फॉर्म तुरंत एकत्र किए गए ताकि किसी प्रकार की हानि या छेड़छाड़ न हो। सूचना संग्रह के बाद, उत्तरों का मात्रात्मक विश्लेषण वर्णनात्मक सांख्यिकी, आवृत्ति गणना और प्रतिशतों का उपयोग करके किया गया, जिससे जनसांख्यिकीय चर और प्रतिक्रिया पैटर्न का सारांश प्रस्तुत किया जा सके। जहाँ आवश्यक हुआ, पुस्तकालय उपयोग और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंधों का पता लगाने के लिए क्रॉस-टैबुलेशन का उपयोग किया गया। बंद-समाप्ति वाले प्रश्नों के उत्तरों पर विषयगत विश्लेषण

भी किया गया, जिससे पुस्तकालय सहभागिता, अनुभव किए गए लाभ और संस्थागत समर्थन से संबंधित आवर्ती पैटर्नों की पहचान हो सके। सभी विश्लेषण आवृत्ति गणना और प्रतिशतों के माध्यम से किए गए, ताकि पारदर्शिता और पुनरुत्पादकता सुनिश्चित हो सके।

सीमाएँ

यह अध्ययन मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, कुछ सीमाओं को स्वीकार करना आवश्यक है। भौगोलिक क्षेत्र भारत में केवल छह विद्यालयों तक सीमित था, जिससे निष्कर्षों की सामान्यीकरण क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसके अतिरिक्त, स्व-रिपोर्ट किए गए आंकड़ों पर निर्भरता प्रतिक्रिया पूर्वाग्रह की संभावना प्रस्तुत करती है। एक अन्य सीमा यह थी कि शैक्षणिक प्रदर्शन का अनुवर्ती मूल्यांकन नहीं किया गया, जिससे पुस्तकालय सेवाओं के दीर्घकालिक प्रभाव पर गहन अंतर्दृष्टि प्राप्त की जा सकती थी। इन सीमाओं को सावधानीपूर्वक नमूना चयन, उपकरण मान्यकरण और स्रोतों के त्रिकोणीयकरण के माध्यम से कम किया गया।

परिणाम

किशोर विद्यार्थियों की जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल भारत के ओयो वेस्ट स्थानीय शासन क्षेत्र के छह सरकारी उच्च विद्यालयों में सर्वेक्षित 120 किशोर विद्यार्थियों की जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल सारांश रूप में नीचे दी गई है। लिंग वितरण अपेक्षाकृत संतुलित था—54.2% पुरुष और 45.8% महिला प्रतिभागी। यह संतुलन दर्शाता है कि निष्कर्ष दोनों लिंगों के दृष्टिकोणों को दर्शाते हैं और प्रतिनिधित्व में कोई बड़ा पूर्वाग्रह नहीं है।

आयु वितरण से पता चलता है कि अधिकांश प्रतिभागी किशोर आयु वर्ग में थे—50% की आयु 13-15 वर्ष थी, जो आमतौर पर मध्य किशोरावस्था, शैक्षणिक संक्रमण और महत्वपूर्ण परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित होती है। इसके अतिरिक्त, 37.5% प्रतिभागी देर किशोरावस्था (16-18 वर्ष) में थे, जबकि 12.5% प्रारंभिक किशोरावस्था (10-12 वर्ष) के थे। इस विविध आयु सीमा ने अध्ययन को प्रारंभिक, मध्य और उत्तर किशोरावस्था के अनुभवों को समग्र रूप से कैप्चर करने में सक्षम बनाया।

तालिका 1: प्रतिभागियों की जनसांख्यिकीय विशेषताएँ

चर	श्रेणियाँ	आवृत्ति (n)	प्रतिशत (%)

लिंग	पुरुष	65	54.2
	महिला	55	45.8
आयु सीमा (वर्ष)	10-12	15	12.5
	13-15	60	50.0
	16-18	45	37.5
परिवार का प्रकार	दो-पालक वाला परिवार	72	60.0
	एक-पालक वाला परिवार	48	40.0
घर पर अध्ययन सामग्री तक पहुँच	हाँ	85	70.8
	नहीं	35	29.2

परिवार संरचना के संदर्भ में, 60% किशोर दो-पालक वाले परिवारों में रहते थे, जबकि 40% एक-पालक वाले परिवारों से थे। यह पहलू पारिवारिक समर्थन प्रणालियों की समझ प्रदान करता है और उन छात्रों के लिए स्कूल पुस्तकालय की संभावित पूरक भूमिका को उजागर करता है जो एक-पालक परिवार से आते हैं।

घर पर अध्ययन सामग्री तक पहुँच भी भिन्न थी, जिसमें 70.8% प्रतिभागियों ने संसाधनों की उपलब्धता की सूचना दी, जबकि 29.2% के पास ऐसी पहुँच नहीं थी। यह उन किशोरों के लिए शैक्षणिक संसाधनों के अंतर को पाटने में स्कूल पुस्तकालयों के महत्व को रेखांकित करता है, जिनके पास घर पर पर्याप्त सामग्री नहीं है। साथ मिलकर, ये जनसांख्यिकीय संकेतक पुस्तकालय सहभागिता और शैक्षणिक प्रदर्शन में भिन्नताओं की व्याख्या के लिए एक मजबूत आधार बनाते हैं और अध्ययन के व्यापक शैक्षणिक प्रभावों को संदर्भित करने में मदद करते हैं।

किशोरों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर पुस्तकालय सेवाओं का प्रभाव

भारत में तालिका 2 के सूचनाएँ यह दर्शाती हैं कि किशोरों के बीच स्कूल पुस्तकालय सेवाओं की शैक्षणिक प्रदर्शन को समर्थन देने वाली महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में मजबूत सहमति है। विशेष रूप से, सभी प्रतिभागियों (100%) ने सहमति व्यक्त की कि पाठ्यपुस्तकों और शैक्षणिक पत्रिकाओं तक पहुँच सीधे उनके सीखने के परिणामों को बढ़ाती है, जो संसाधनों की उपलब्धता के केंद्रीय महत्व को दर्शाती है। इसी तरह, अधिकांश प्रतिभागियों ने एक शांत अध्ययन वातावरण (95%),

विविध शैक्षणिक सामग्री (85%), और समूह अध्ययन स्थान (85%) के महत्व पर जोर दिया, जो ध्यान केंद्रित करने, सहयोग बढ़ाने और बेहतर अंक प्राप्त करने में मदद करते हैं। पुस्तकालय कर्मचारियों का समर्थन (70%) और संरचित कार्यशालाएँ या सेमिनार (60%) भी छात्रों की उपलब्धियों को बढ़ाने में मानव मार्गदर्शन और लक्षित कार्यक्रमों के महत्व को उजागर करते हैं। ये निष्कर्ष यह सुझाव देते हैं कि पुस्तकालयों में भौतिक और बौद्धिक समर्थन दोनों ही शैक्षणिक सफलता में सार्थक योगदान करते हैं।

वे किशोर जो पुस्तकालय सेवाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ते हैं, जैसे अध्ययन समूह में भाग लेना, कार्यशालाओं में भाग लेना या डिजिटल संसाधनों का उपयोग करना, उनमें आत्मविश्वास अधिक होता है, शोध गतिविधियों में सक्रियता बढ़ती है और कम सक्रिय उपयोगकर्ताओं की तुलना में शैक्षणिक प्रदर्शन बेहतर होता है। यह संकेत करता है कि पुस्तकालय सुविधाओं का नियमित उपयोग केवल कक्षा के सीखने को पूरा नहीं करता, बल्कि स्वतंत्र अध्ययन कौशल, अध्ययन अनुशासन और प्रभावी शोध प्रथाओं को भी विकसित करता है।

ये परिणाम वैश्विक अध्ययनों के साथ संगत हैं, जो स्कूल पुस्तकालयों के महत्व पर जोर देते हैं। अमेरिका में, यह रिपोर्ट किया गया कि कक्षा 3-12 के 99.4% किशोर स्कूल पुस्तकालयों को सीखने के लिए आवश्यक मानते हैं, विशेष रूप से जब उनका नेतृत्व योग्य पुस्तकालयाध्यक्ष करते हैं (टॉड और कुल्थाउ, 2015)। इसी तरह, नाइजीरिया में सक्रिय पुस्तकालय उपयोग से साक्षरता, शोध कौशल और शैक्षणिक प्रदर्शन में वृद्धि होती है। भारत में भी समान निष्कर्ष सामने आए हैं, जो यह रेखांकित करते हैं कि अच्छी तरह से सुसज्जित, सुलभ और छात्र-केंद्रित पुस्तकालय शैक्षणिक उत्कृष्टता और आजीवन सीखने की क्षमताओं को बढ़ाने में वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण हैं (कुमार, 2018)।

सामूहिक रूप से, ये परिणाम इस धारणा को मजबूत करते हैं कि स्कूल पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं हैं, बल्कि गतिशील सीखने के पारिस्थितिक तंत्र हैं। स्कूल परिवेश में उनका एकीकरण किशोरों के शैक्षणिक परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है, व्यापक शैक्षणिक लक्ष्यों का समर्थन करता है और उन किशोरों के लिए शिक्षा में समानता के अंतर को पाटने में मदद करता है जिनके पास घर पर अध्ययन सामग्री तक पहुँच नहीं है।

क्र.	सामग्री	सहमति (%)	असहमति (%)

1	पुस्तकालय संसाधनों तक पहुँच किशोरों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव डालती है	75.0	25.0
2	ऑनलाइन पुस्तकालय सेवाओं की उपलब्धता किशोरों की शोध क्षमताओं और शैक्षणिक परिणामों में सुधार करती है	60.0	40.0
3	पुस्तकालय अध्ययन स्थानों का बार-बार उपयोग किशोरों के बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की ओर ले जाता है	65.0	35.0
4	पुस्तकालय कर्मचारियों का समर्थन और सहायता किशोरों की शैक्षणिक सफलता पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है	70.0	30.0
5	पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न शैक्षणिक सामग्री किशोरों के सीखने और समय अंकों को बढ़ाती है	85.0	15.0
6	पुस्तकालय में शांत वातावरण किशोरों को शैक्षणिक कार्यों पर बेहतर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है और उनके प्रदर्शन में सुधार करता है	95.0	5.0
7	पुस्तकालय द्वारा पाठ्यपुस्तकों और शैक्षणिक पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करना किशोरों के शैक्षणिक प्रदर्शन से सीधे संबंधित है	100.0	0.0
8	जो किशोर सक्रिय रूप से पुस्तकालय सेवाओं का उपयोग करते हैं, वे उच्च अंक प्राप्त करने की अधिक संभावना रखते हैं	75.0	25.0
9	शोध कौशल पर पुस्तकालय कार्यशालाएँ और सेमिनार किशोरों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार में योगदान करती हैं	60.0	40.0
10	पुस्तकालय में समूह अध्ययन कक्ष और सहयोगात्मक स्थानों की उपलब्धता किशोरों के शैक्षणिक परिणामों को बढ़ाती है	85.0	15.0

किशोरों द्वारा पुस्तकालय सेवाओं के उपयोग की व्यापकता

भारत में सर्वेक्षणित सभी किशोर (100%) ने पुस्तकालय द्वारा आयोजित पहलों, जैसे पुस्तक क्लब और अध्ययन समूहों में भाग लिया (तालिका 3), जो यह दर्शाता है कि पुस्तकालय कार्यक्रमों का विद्यालय संस्कृति में मजबूत एकीकरण है और यह एक सामाजिक रूप से सहायक सीखने

वाला वातावरण प्रदान करता है। अधिकांश किशोरों ने पुस्तकालय को एक शांत अध्ययन स्थान के रूप में भी महत्व दिया (95%), जो ध्यान केंद्रित करने, एकाग्रता बनाए रखने और शैक्षणिक उत्पादकता बढ़ाने में इसके योगदान को पुनः पुष्ट करता है।

मनोरंजक पठन की गतिविधि 85% किशोरों द्वारा की गई, जो पुस्तकालय के साक्षरता विकास और आजीवन पठन आदतों के संवर्धन में योगदान को दर्शाती है। प्रौद्योगिकी का उपयोग भी महत्वपूर्ण था: 70% किशोरों ने शैक्षणिक कार्यों के लिए कंप्यूटर और इंटरनेट सुविधाओं का उपयोग किया, जबकि 65% ने डिजिटल संसाधनों तक पहुँच प्राप्त की, जो माध्यमिक विद्यालय सेटिंग में भी डिजिटल साक्षरता के बढ़ते स्तर को दर्शाता है। पुस्तकालय कर्मचारियों का समर्थन प्रभावशाली साबित हुआ, जिसमें 75% किशोर शोध सहायता के लिए और 85% ने संदर्भ सामग्री का उपयोग किया, जो स्वतंत्र अध्ययन और सूचना साक्षरता को बढ़ावा देने में पुस्तकालय की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

थोड़े कम किशोर पुस्तकालय-आयोजित कार्यक्रमों (60%) या ऑडियोविजुअल सामग्री (60%) में शामिल हुए, ये आंकड़े सहायक सीखने के प्रारूपों में जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने के अवसरों को इंगित करते हैं। सामूहिक रूप से, ये निष्कर्ष सुझाव देते हैं कि स्कूल पुस्तकालय स्थिर भंडार नहीं बल्कि गतिशील सीखने के पारिस्थितिक तंत्र के रूप में कार्य करते हैं, जो शैक्षणिक उपलब्धि, शोध सहभागिता और व्यापक बौद्धिक विकास का समर्थन करते हैं। ये परिणाम अमेरिका (टॉड, 2015), दक्षिण अफ्रीका (फातिमान एट अल., 2017), और भारत (कुमार, 2018) में हुए अध्ययनों के अनुरूप हैं, जो शैक्षणिक सफलता और आजीवन सीखने की क्षमताओं को बढ़ावा देने में सुलभ, संसाधन संपन्न और छात्र-केंद्रित पुस्तकालयों के वैश्विक महत्व को उजागर करते हैं।

तालिका 3: किशोरों द्वारा पुस्तकालय के उपयोग की व्यापकता

क्र.	सामग्री	सहमति (%)	असहमति (%)
1	मैं अपनी शैक्षणिक पढ़ाई के लिए किताबें उधार लेने हेतु नियमित रूप से स्कूल पुस्तकालय जाता/जाती हूँ	75.0	25.0
2	मैं शोध और असाइनमेंट के लिए स्कूल पुस्तकालय की इंटरनेट और कंप्यूटर सुविधाओं का उपयोग करता/करती हूँ	70.0	30.0

3	मैं अपने सीखने को बढ़ाने के लिए पुस्तकालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों, जैसे पठन सत्र या कार्यशालाओं में भाग लेता/लेती हूँ	60.0	40.0
4	मैं अध्ययन और असाइनमेंट पूरा करने के लिए पुस्तकालय को एक शांत स्थान के रूप में उपयोग करता/करती हूँ	95.0	05.0
5	मैं मनोरंजक पठन (जैसे उपन्यास, पत्रिकाएँ आदि) के लिए नियमित रूप से पुस्तकालय संसाधनों का उपयोग करता/करती हूँ	85.0	15.0
6	जब मुझे शोध या संसाधनों को खोजने में मदद की आवश्यकता होती है, तो मैं सक्रिय रूप से पुस्तकालय कर्मचारियों से सहायता मांगता/मांगती हूँ	75.0	25.0
7	मैं अपने शैक्षणिक कार्यों के लिए नियमित रूप से पुस्तकालय के ऑनलाइन डेटाबेस या डिजिटल संसाधनों का उपयोग करता/करती हूँ	65.0	35.0
8	मैं पुस्तकालय द्वारा आयोजित पुस्तक क्लब या अध्ययन समूह जैसे पुस्तकालय पहलों में भाग लेता/लेती हूँ	100.0	0.0
9	मैं अपने स्कूल असाइनमेंट के लिए पुस्तकालय की संदर्भ सामग्री (एन्साइक्लोपीडिया, शब्दकोश आदि) का उपयोग करता/करती हूँ	85.0	15.0
10	मैं सीखने के उद्देश्य से पुस्तकालय की ऑडियोविजुअल सामग्री (जैसे डीवीडी, शैक्षणिक वीडियो आदि) का उपयोग करता/करती हूँ	60.0	40.0

पुस्तकालय उपयोग पर स्कूल वातावरण का प्रभाव

भारत में तालिका 3 में पुस्तकालय उपयोग और तालिका 2 में पुस्तकालय सेवाओं के अनुभव किए गए लाभों के निष्कर्षों के आधार पर, यह स्पष्ट होता है कि स्कूल का वातावरण भी छात्रों की सार्थक सहभागिता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सभी किशोर (100%) ने सहमति व्यक्त की कि शिक्षक पुस्तकालय उपयोग को प्रोत्साहित करते हैं, पुस्तकालय कर्मचारियों के साथ सहयोग को सुगम बनाया जाता है, और आवश्यक संसाधन, जैसे किताबें, कंप्यूटर और अध्ययन

स्थान, आसानी से उपलब्ध हैं (तालिका 4)। ये सर्वसम्मत अनुमोदन दर्शाते हैं कि विद्यालय की संस्थागत प्रतिबद्धता पुस्तकालय सेवाओं को शैक्षणिक अनुभव में एकीकृत करने के लिए मजबूत है।

इसके अतिरिक्त, 95% किशोरों ने यह स्वीकार किया कि व्यापक स्कूल वातावरण, जिसमें कक्षा की चर्चाएँ और स्कूल कार्यक्रम शामिल हैं, पढ़ाई और पुस्तकालय उपयोग की संस्कृति को बढ़ावा देता है। यह औपचारिक पाठ्यक्रम संरचनाओं के साथ-साथ अनौपचारिक प्रभावों की भूमिका को उजागर करता है, जो किशोरों के सीखने के दृष्टिकोण को आकार देते हैं। एक बड़ी संख्या (75-85%) ने पुस्तकालय उपयोग के लिए प्रोत्साहन, प्रभावी पुस्तकालय प्रचार और पाठ्यक्रम संरेखण को प्रेरक कारकों के रूप में मान्यता दी, जो दर्शाता है कि दृश्यता, मान्यता और संरचित समर्थन सहभागिता को सार्थक रूप से बढ़ाते हैं।

कुछ क्षेत्रों पर ध्यान देने की आवश्यकता है: केवल 60-65% प्रतिभागियों ने महसूस किया कि स्कूल ने पुस्तकालय सेवाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी प्रदान की या उन्हें दिन के दौरान उपयोग करने के लिए पर्याप्त समय दिया। ये निष्कर्ष संरचित ओरिएंटेशन कार्यक्रम और समय-सारणी समायोजन के अवसरों की ओर संकेत करते हैं, ताकि शैक्षणिक प्राथमिकताओं को बाधित किए बिना पुस्तकालय तक पहुँच सुगम हो सके।

सामूहिक रूप से, स्कूल का वातावरण लगातार पुस्तकालय सहभागिता को बढ़ावा देने में केंद्रीय भूमिका निभाता है, जो संसाधनों की उपलब्धता और छात्र प्रेरणा को पूरक करता है। ये परिणाम पूर्व अनुसंधान के अनुरूप हैं, जो बताते हैं कि शिक्षक सहभागिता, सहायक पाठ्यक्रम संरचनाएँ और सुलभ अवसंरचना मिलकर छात्र सहभागिता और शैक्षणिक सफलता को बढ़ाती हैं (अयामिका, 2016)। संस्थागत प्रोत्साहन न केवल पुस्तकालय उपयोग में बाधाओं को कम करता है बल्कि दीर्घकालिक अध्ययन आदतों और बौद्धिक विकास को भी पोषित करता है।

तालिका 4: पुस्तकालय उपयोग के लिए स्कूल वातावरण एक उत्प्रेरक के रूप में

क्र.	सामग्री	सहमति (%)	असहमति (%)
1	स्कूल पुस्तकालय उपयोग को शैक्षणिक सफलता का अनिवार्य हिस्सा के रूप में बढ़ावा देता है	60.0	40.0

2	शिक्षक किशोरों को शोध और असाइनमेंट के लिए पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं	100.0	0.0
3	स्कूल किशोरों को पुस्तकालय सेवाओं के बारे में पर्याप्त जानकारी प्रदान करता है	65.0	35.0
4	पुस्तकालय का प्रचार प्रभावी है और किशोरों के लिए इसे ढूँढना और उपयोग करना आसान है	75.0	25.0
5	स्कूल उन किशोरों के लिए प्रोत्साहन (जैसे पुरस्कार या मान्यता) प्रदान करता है जो नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग करते हैं	85.0	15.0
6	स्कूल का पाठ्यक्रम किशोरों को पुस्तकालय संसाधनों के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है	75.0	25.0
7	स्कूल का वातावरण (जैसे कक्षा चर्चा, स्कूल कार्यक्रम) पढ़ाई और पुस्तकालय उपयोग की संस्कृति को बढ़ावा देता है	95.0	5.0
8	स्कूल किशोरों को पुस्तकालय जाने के लिए स्कूल के दिन के दौरान पर्याप्त समय प्रदान करता है	60.0	40.0
9	स्कूल किशोरों और पुस्तकालय कर्मचारियों के बीच शैक्षणिक सहयोग को प्रोत्साहित करता है	100.0	0.0
10	पुस्तकालय संसाधनों की उपलब्धता (किताबें, कंप्यूटर, अध्ययन क्षेत्र) किशोरों के लिए पुस्तकालय का उपयोग आसान बनाती है	100.0	0.0

निष्कर्ष

यह अध्ययन दर्शाता है कि सुसज्जित स्कूल पुस्तकालय विविध शिक्षण सामग्री, शांत अध्ययन स्थान, तकनीकी संसाधन और सहायक पुस्तकालय कर्मचारियों तक पहुँच प्रदान करके किशोरों के शैक्षणिक प्रदर्शन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाते हैं। निष्कर्ष बताते हैं कि जो किशोर पुस्तकालय सेवाओं का सक्रिय रूप से उपयोग करते हैं जैसे किताबें उधार लेना, शोध गतिविधियों में भाग लेना, कार्यशालाओं में सम्मिलित होना, या पुस्तकालय-प्रेरित कार्यक्रमों में भाग लेना—वे उच्च शैक्षणिक परिणाम प्राप्त करते हैं और मजबूत स्वतंत्र अध्ययन कौशल प्रदर्शित करते हैं। इसके अलावा, स्कूल

वातावरण, जिसमें शिक्षक प्रोत्साहन, पाठ्यक्रम में एकीकरण, और संस्थागत समर्थन शामिल हैं, सार्थक पुस्तकालय सहभागिता को बढ़ावा देने में सहायक और पूरक भूमिका निभाता है। ये परिणाम न केवल भारत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, जैसे अमेरिका में किए गए अध्ययनों के अनुरूप हैं, जो पुस्तकालयों के गतिशील शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में छात्रों की उपलब्धियों को बढ़ावा देने के वैश्विक महत्व को रेखांकित करते हैं। इन निष्कर्षों के आधार पर, नीति-निर्माताओं और स्कूल प्रशासकों को सुझाव दिया जाता है कि वे पुस्तकालय अवसंरचना को अपग्रेड करने, शिक्षण संसाधनों तक पहुँच का विस्तार करने, पाठ्यक्रम में पुस्तकालय सहभागिता को शामिल करने, और शिक्षकों और पुस्तकालयाध्यक्षों के बीच सक्रिय सहयोग को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दें। इस तरह के उपाय न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का समर्थन करेंगे बल्कि किशोरों में आजीवन सीखने की आदतों का विकास भी करेंगे।

भविष्य के अध्ययन यह पता कर सकते हैं कि डिजिटल पुस्तकालयों और ई-संसाधनों का छात्र प्रदर्शन पर क्या प्रभाव पड़ता है, जिससे आधुनिक शैक्षणिक वातावरण में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर अंतर्दृष्टि प्राप्त हो सके। कई क्षेत्रों में तुलनात्मक अनुसंधान पुस्तकालय की प्रभावशीलता में क्षेत्रीय भिन्नताओं को स्पष्ट कर सकता है, जबकि शिक्षक-पुस्तकालयाध्यक्ष सहयोग पर अनुसंधान किशोरों के परिणामों को बढ़ाने के सर्वोत्तम अभ्यास को उजागर कर सकता है। इन क्षेत्रों पर ध्यान देकर, आगामी अनुसंधान वर्तमान अध्ययन के निष्कर्षों को आगे बढ़ा सकता है और स्कूल पुस्तकालय सेवाओं में रणनीतिक निवेश के लिए मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है, जो किशोरों के लिए समान, उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा को प्रोत्साहित करता है।

संदर्भ

1. अडेमी, टी.ओ. 2014। स्कूल पुस्तकालयों का प्रभाव: स्कूल पुस्तकालयाध्यक्षों की भूमिका। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास, लेख 325।
2. अन्नामलाई, के. 2016. माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की विद्यार्थियों की पढ़ाई में स्कूल पुस्तकालयों की भूमिका: चेन्नई, भारत के अंकित अभिलेखों का अध्ययन।
3. चुक्वुंके, सी., ओज़ियोको, आर.ई., और उज़ोइग्वे, सी.एन. 2018. भारत में माध्यमिक विद्यालय पुस्तकालयों का विकास: समस्याएं और संभावनाएं। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास, लेख 2019।

4. क्रिसवेल, जे.डब्ल्यू. 2019. अनुसंधान डिजाइन: गुणात्मक, मात्रात्मक और मिश्रित तरीके दृष्टिकोण (तीसरा संस्करण)। ऋषि प्रकाशन।
5. डाइक, वी. डब्ल्यू. 2014। शिक्षा में पुस्तकालय संसाधन। एबीआईसी बुक्स एंड इक्विपमेंट लिमिटेड।
6. फैबुनमी, एम. 2015. भारत में संगीत और अध्ययन को बढ़ावा देने में स्कूल पुस्तकालयों की भूमिका। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास, लेख 331।
7. इग्वे, के.एन., और ओना, ई.आई. 2016। भारत में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा स्कूल पुस्तकालयों के उपयोग से प्रभावित होने वाले कारक। पीएनएलए त्रैमासिक, 77(3), लेख 4।
8. इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशन एंड इंस्टीट्यूशंस (आईएफएलए)। 2015. स्कूल पुस्तकालय घोषणा पत्र: स्कूल पुस्तकालय में शिक्षण और सीखने के लिए सभी।
9. कीथ, टी. जेड., 2014. स्कूल लाइब्रेरी में क्या अंतर है? छात्रों की लाइब्रेरी पर पुस्तकालयों के प्रभाव के बारे में शोध क्या कहा गया है। विश्वव्यापी स्कूल पुस्तकालय, 10(1-2), पृ. 17-34।
10. कुमार, एस. 2018. भारत में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की अकादमी पर पुस्तकालय सेवाओं का प्रभाव। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास, लेख 2002।
11. ओजी, एस.आई., और अबाना, जे.ए., 2017. भारत में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों की शैक्षणिक शिक्षा में स्कूल पुस्तकालयों की भूमिका: एक अध्ययन। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास, लेख 803।
12. ओगबोना, ए.यू., और एज़े, जे.यू., 2015। भारत में माध्यमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा स्कूल पुस्तकालय का उपयोग। पुस्तकालय दर्शन और अभ्यास, लेख 1343
13. हेकॉक, के. (2017). ब्रिटिश कोलंबिया (कनाडा) स्कूल लाइब्रेरी और स्टूडेंट अचीवमेंट को जोड़ना: समान ओवरऑल फंडिंग वाले बेहतर और कम परफॉर्म करने वाले स्कूलों की तुलना। स्कूल लाइब्रेरीज़ वर्ल्डवाइड, 17, 27-50.

14. मिशेल, एल. (2014). स्टूडेंट्स की एकेडमिक अचीवमेंट पर स्कूल लाइब्रेरी का असर। ऑस्ट्रेलियन स्कूल लाइब्रेरी एसोसिएशन की रिपोर्ट। ऑस्ट्रेलियन काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च द्वारा पब्लिश किया गया।
15. एमकेपीए, ए. एम. (2015). उपलब्ध टीचिंग और लर्निंग मटीरियल/सुविधाओं का ऑप्टिमाइज़ेशन। ओ. न्नोली और आई. सुलेमान (संपादक)। नाइजीरिया में शिक्षा के भविष्य का फिर से आकलन। अबुजा: ETF पब्लिकेशन।